नन्ही गुलाबी बैलरीना

रौन रैंडल

हिंदी: संतोषजी





Orange Yellow Green

नन्ही गुलाबी बैलरीना

रौन रैंडल

हिंदी: संतोषजी



नन्ही गुलाबी बैलरीना अपने बेडरूम के आईने के सामने खड़ी हो गई।

“पहली पोज़ीशन,“ कहकर वह सीधे खड़ी हो गईं।

“दूसरी पोज़ीशन,“ कहकर उसने अपने हाथ फैलाए।



नन्ही गुलाबी बैलरीना आज अपने नृत्य स्कूल में सबसे अच्छा डांस करना चाहती थी। उसकी टीचर, मैडम पलाई उसे कुछ नये स्टैप्स सिखाने वाली थीं और नन्ही गुलाबी बैलरीना सीखने के लिए तैयार थी।



उस दिन सुबह के समय मैडम पलाई ने अपने कक्षा के बच्चों से कहा

“आज मैं आपको परियों की राजकुमारी के समान नृत्य करना सीखाऊँगी।”



“और कल से हम ‘ परियों की राजकुमारी नृत्य ‘ के लिए तैयारियाँ शुरू करेंगे।”

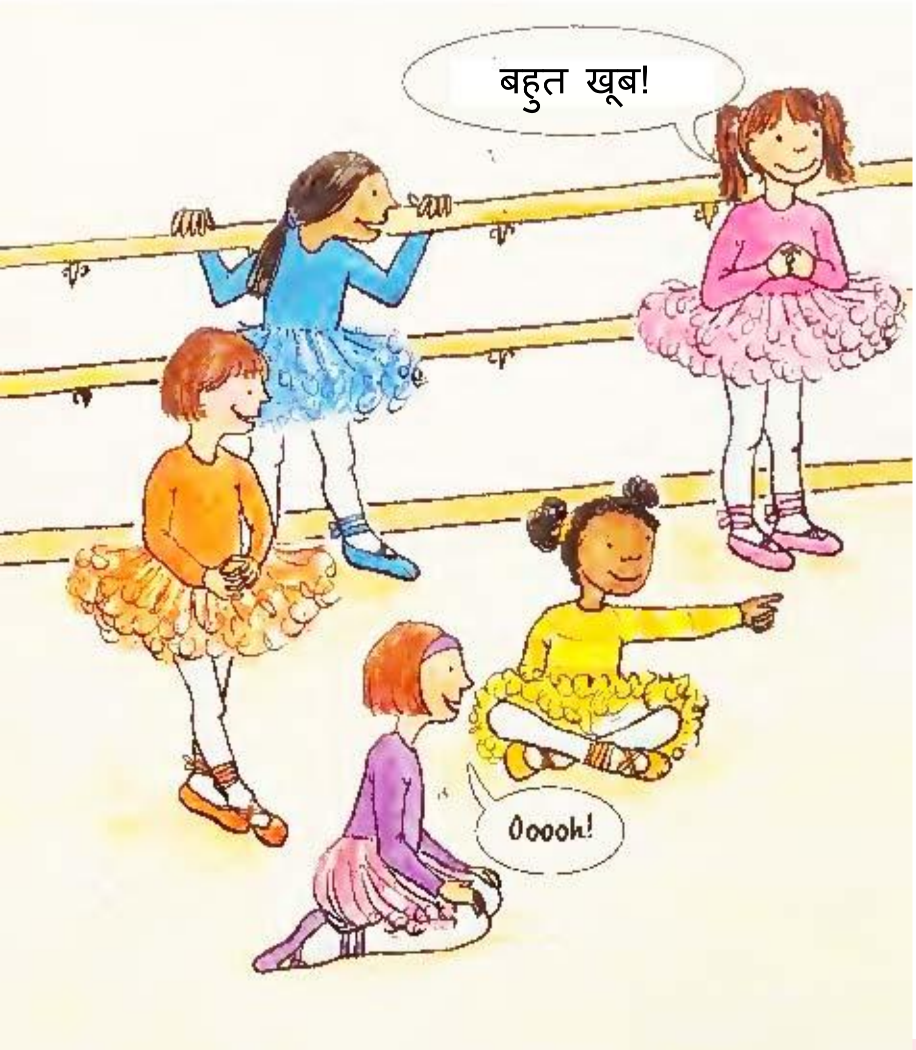
“जो सबसे अच्छा नृत्य करेगी उसे हम नृत्य में “स्टार परियों की राजकुमारी “ में मेन पार्ट देंगे।

“अरे वाह!“ सब बच्चे ख़ुशी से कमरे में झूमते हुए बोले।

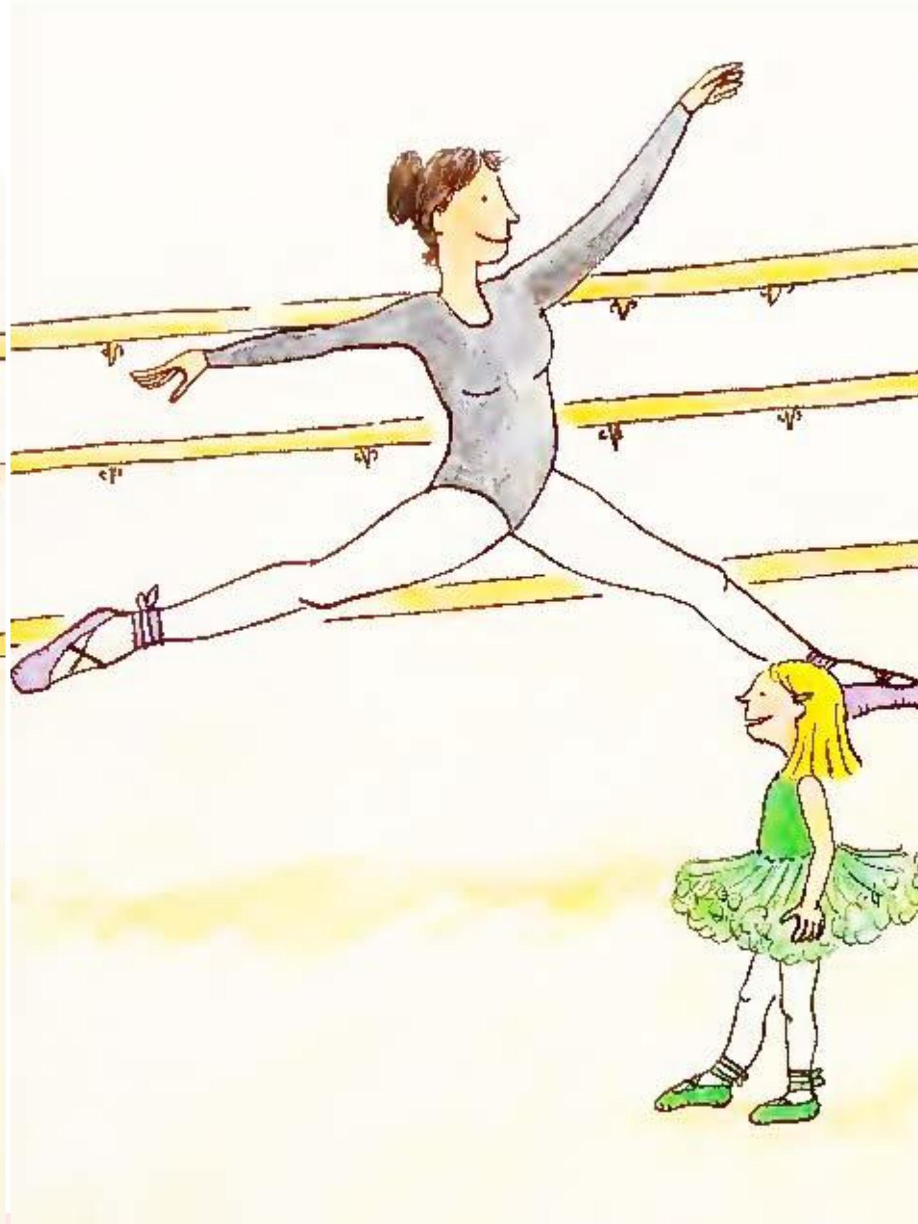


“एक परियों की राजकुमारी को एक पंख के समान नाचना होगा, उसके समान हवा में लहराना होगा, ” मैडम पलाई ने अपने बच्चों को नृत्य करके बताया।

“अपने हाथों को ऐसे उठाओ। अपने पंजों के ऊपर ऐसे खड़े हो और ... घूमो, घूमो, उछलो!”



मैडम पलाई सुंदर तरीक़े से नृत्य करती रही और बच्चे उन्हें मंत्रमुग्ध होकर देखते रहे।

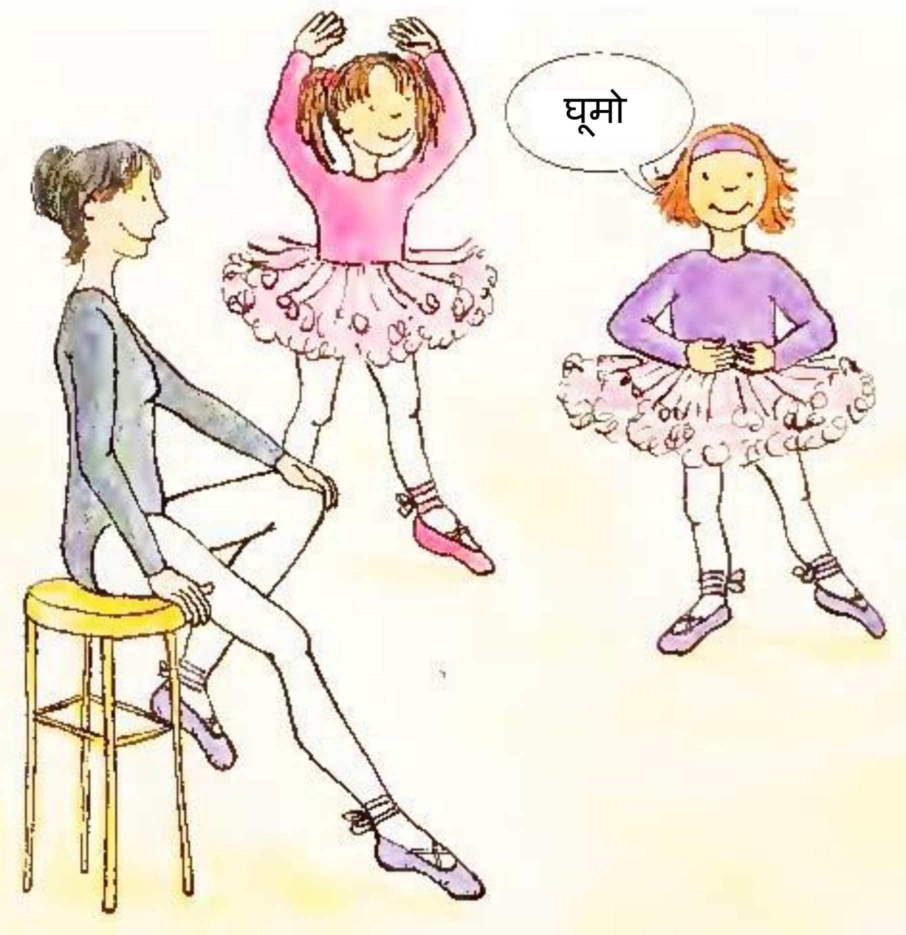


“ अब आप सब भी कोशिश करें।“

सब बच्चों ने अपने हाथों को उठाया और पंजों को नीचे झुकाया।

घूमो, घूमो, उछलो! नीली बैलरीना नाचने लगी।

घूमो, घूमो, कूदो! पीली बैलरीना नाची।



घूमो, घूमो, उछलो!

हलकी बैंगनी रंग की बैलरीना नाची।

“बहुत बढ़िया!” मैडम पलाई ख़ुश होकर बोली।



अब आख़िर में गुलाबी बैलरीना की बारी थी।
उसने अपने हाथ उठाए, अपने पंजों पर खड़ी हुई,
और चक्कर लगाने लगी, घूमो, घूमो ...धड़ाम !
"अरे, अरे!" मैडम पलाई बोली।
"ऐसा लगता है हम लोगों में से कुछ बच्चों को अभी भी समझ नहीं आया है। आप सबको कल के रिहर्सल के लिए बहुत मेहनत करना पड़ेगी। याद रखिए मेरे कलाकार को ...एक पंख के समान हवा में लहराना होगा।"



दुपहर को घर पहुंचते ही गुलाबी बैलरीना अपने कमरे में जाकर प्रैक्टिस करने लगी।
" घूमो, घूमो, ऊपर कूदो !" कहते हुए उसने अपने हाथों को ऊपर करा और पांव को नीचे करा।
"हमें मालूम है कि हम यह कर सकते हैं !"
वह कमरे में नाचने लगी।
"घूमो, घूमो ..."

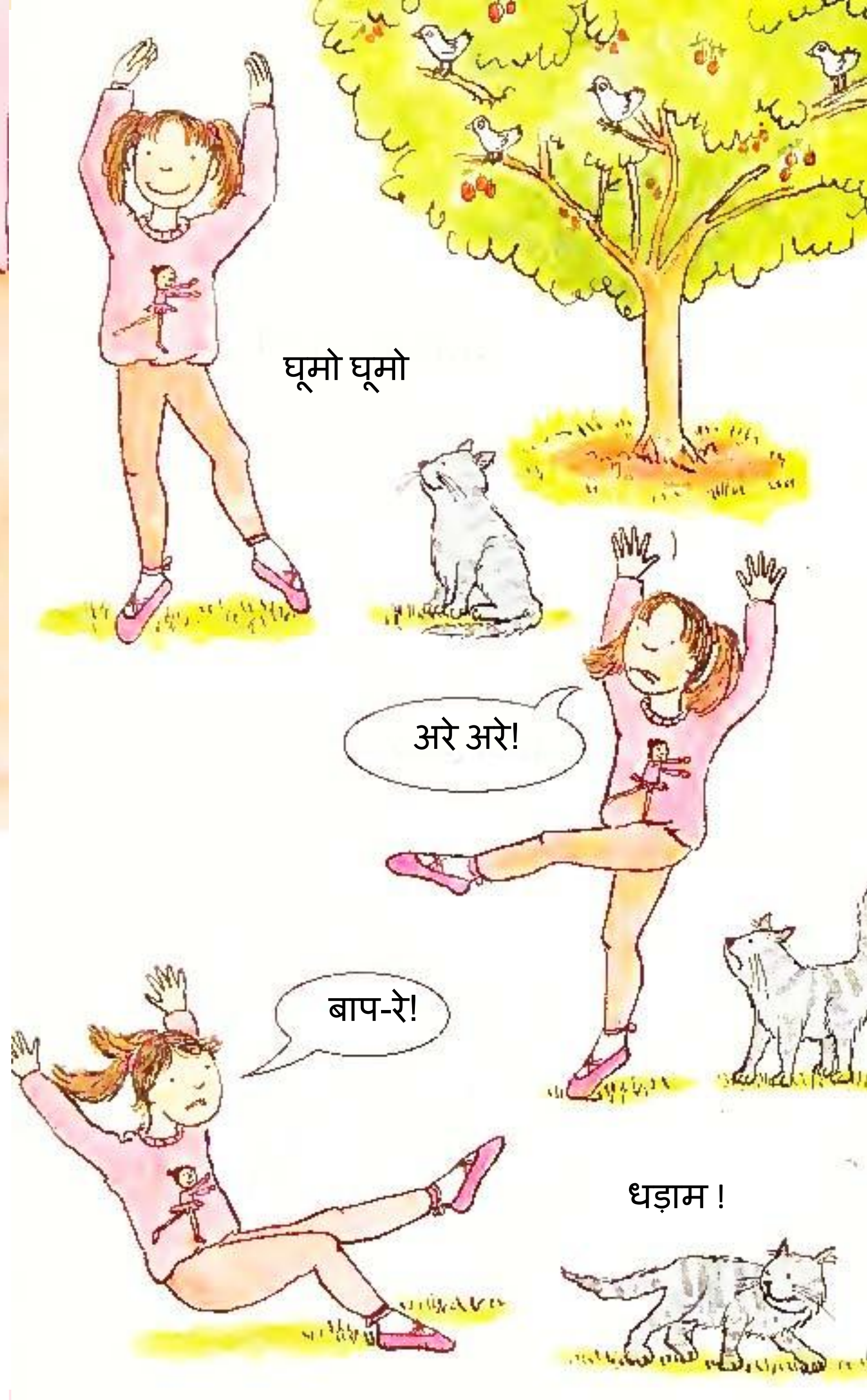




“धड़ाम!“

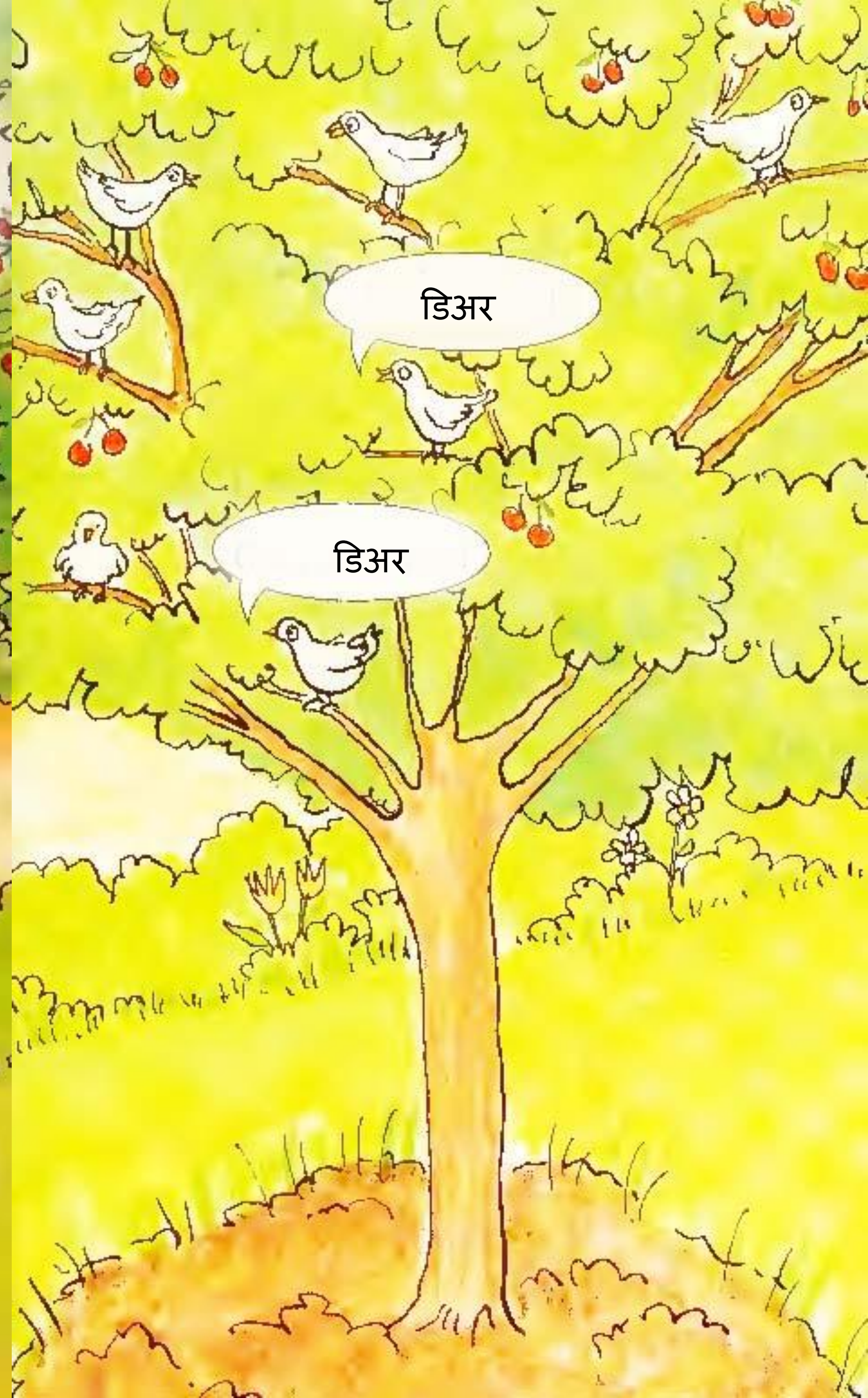
“अरे, अरे, शायद मुझे बगीचे में जाकर नृत्य की तैयारी करनी चाहिए। मुझे वहाँ बहुत जगह मिलेगी।”

बगीचे में चैरी के पेड़ पर बैठी चिड़ियों ने गुलाबी बैलरीना को नाचते देखा, कैसे वह अपने हाथों को ऊपर उठाती है और कैसे वो अपने पंजों को नीचे झुकाती थी।



“अरे, अरे “गुलाबी बैलरीना ने सांस् भरी।
“मैं कभी भी चक्कर लगाना, थिरकना
और ऊपर कूदना नहीं सीख पाऊँगी।” वह
यह बोलती हुई दुखी होकर घर लौट गई।





अचानक उसने चैरी के पेड़ से कुछ लहराते हुए नीचे गिरते देखा।

 वह एक पतला और चाँदी के समान चमकदार पंख था। गुलाबी बैलरीना ने देखा कि वह बहुत सुंदर तरीक़े से हवा में लहरा रहा था। उसे मैडम पलाई के शब्द याद आए:

 “एक परियों की राजकुमारी को पंख जैसा होना चाहिए जो हवा में बड़ी सुंदरता से लहराता हुआ उड़ता है।“

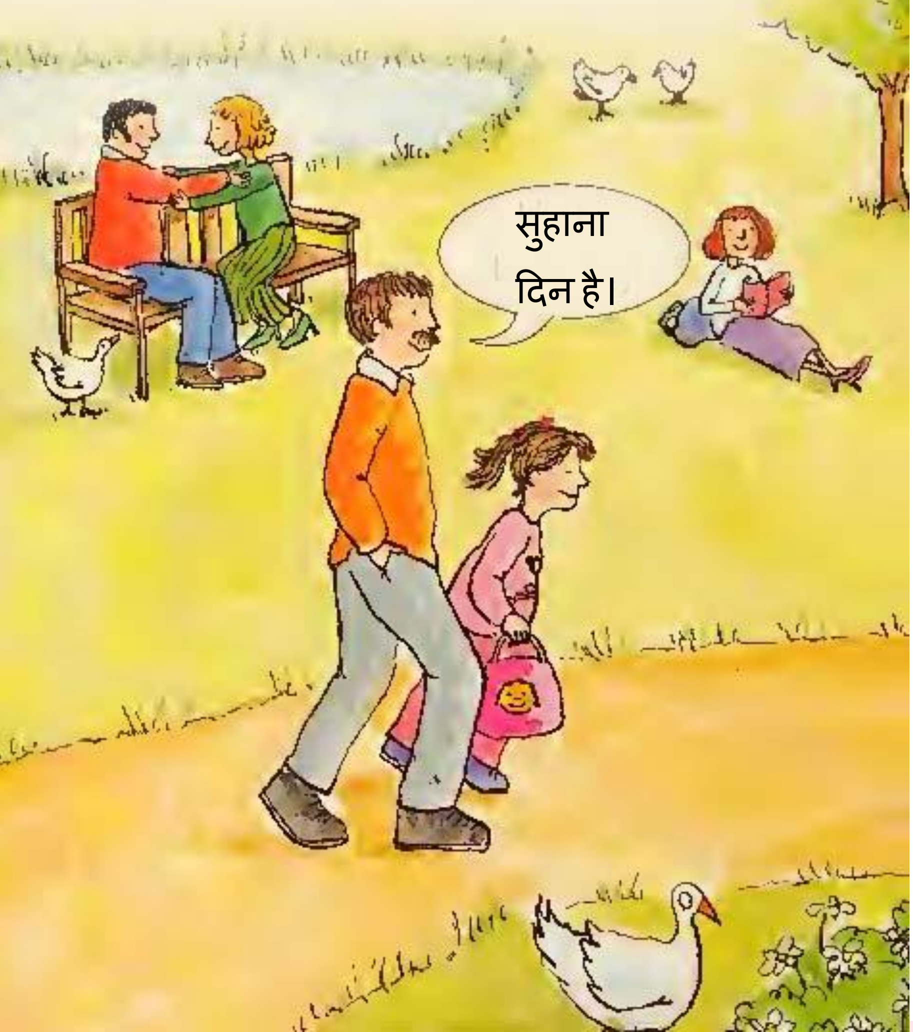


गुलाबी बैलरीना ने उस चाँदी के समान चमकने वाले पंख को उठा लिया और घर ले आई। उसने उसे अपने तकिए के नीचे रख दिया और रात में जब वह सोई उसने सपने में बहुत सारे पंखों को आकाश में बादलों के बीच लहराते हुए देखा।



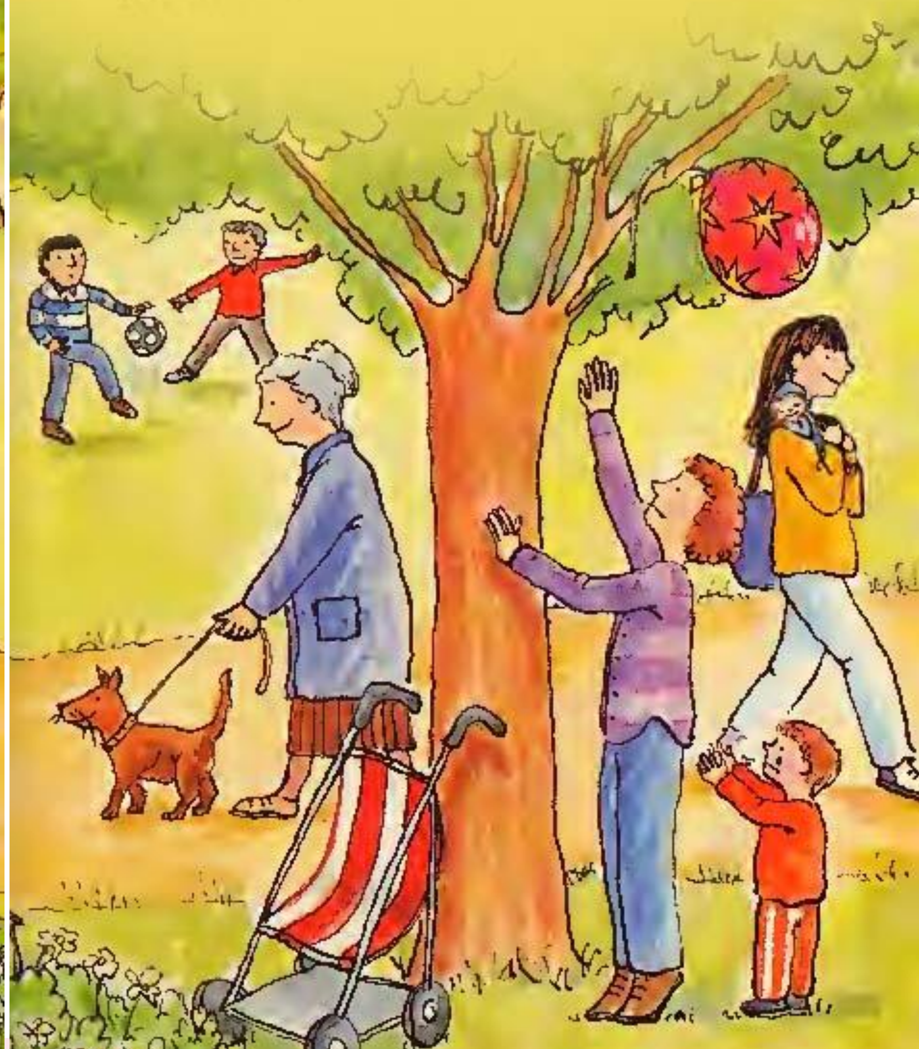
अगले दिन सुबह वह अपने पिता के साथ पार्क से होते हुए नृत्यशाला गई।

बहुत सुहावना दिन था और पार्क में बहुत सारे लोग थे। सभी धूप का आनंद ले रहे थे और ख़ुश थे।



सिर्फ़ एक छोटा लड़का था जो बहुत ज़ोर ज़ोर से रो रहा था।गुलाबी बैलरीना समझ गई कि वो क्यों रो रहा था।

उसका गुबारा पेड़ पर अटक गया था और उसकी डोर इतनी ऊँची थी कि कोई उसको पकड़ नहीं सकता था।



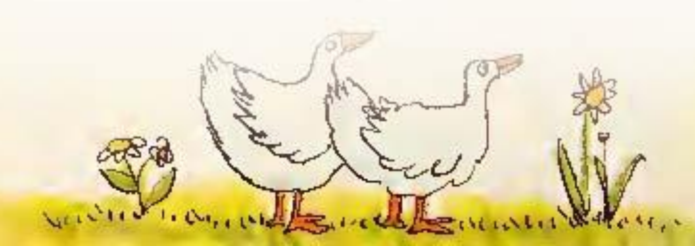
गुलाबी बैलरीना दौड़ कर उसके पास गई और बोली “मत रो! मैं तुम्हें तुम्हारा गुबारा अभी लाकर देतीं हूँ।”

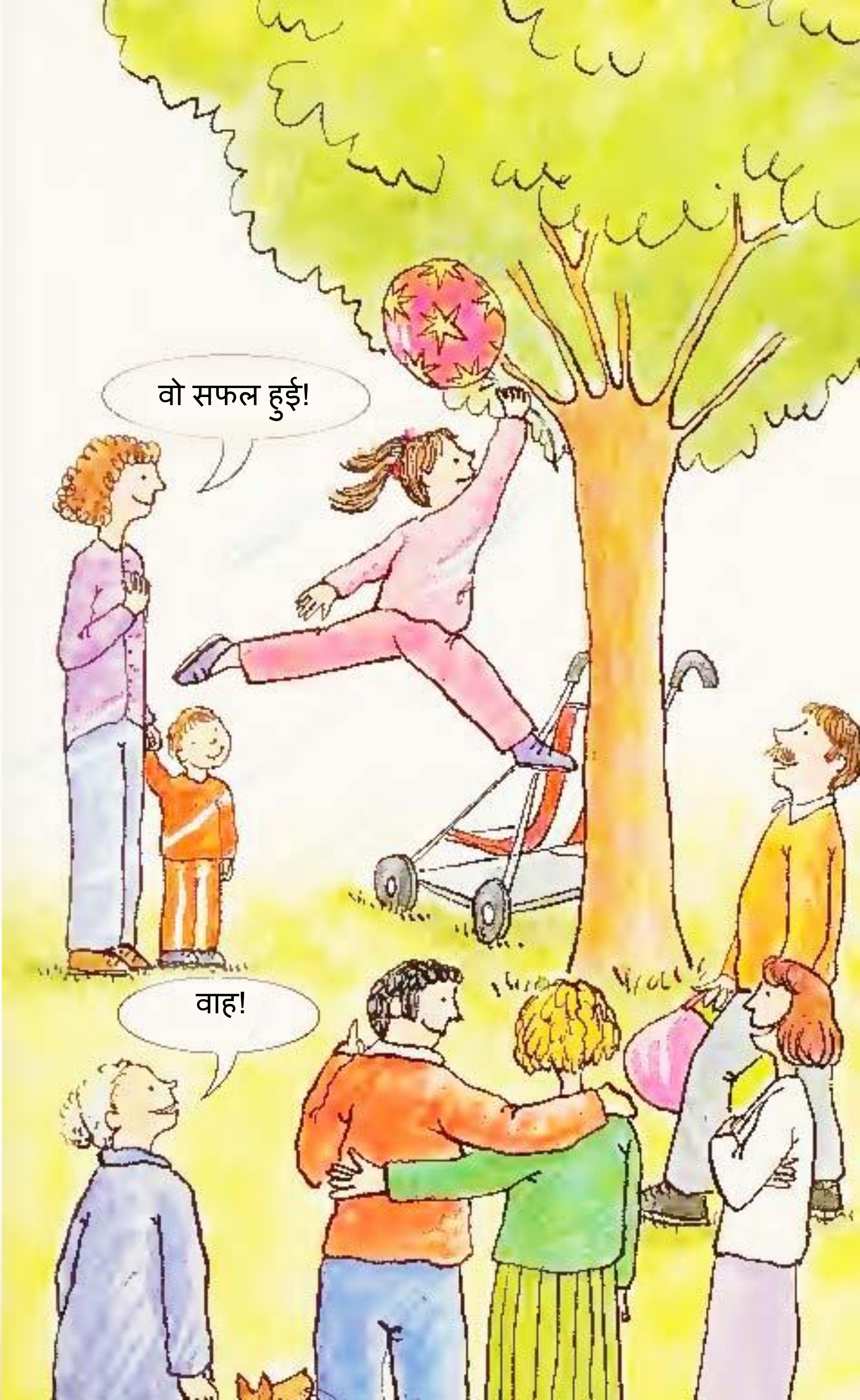
अब वहाँ भीड़ जमा हो गई थी परन्तु गुलाबी बैलरीना अपनी आँखों को बंद करके उस चाँदी के समान सफ़ेद रंग वाले पंख को हवा में लहराते हुए देखा।

फिर उसने अपने हाथों को उठाया, पैरों के पंजों को उठाया और गोल गोल घूमती हुई पूरा दम लगा कर इतना ऊपर उछल गई कि उसके हाथ में गुब्बारे की डोर आ गई और उसने गुबारे को छोटे लड़के को लाकर दे दिया।

चारों तरफ़ खड़े लोगों ने उसे शाबाशी दी और उस छोटे बच्चे ने गुलाबी बैलरीना को थैंकस में अपने गले लगा लिया।

“मुझे मालूम था, मैं ये कर लूँगी“ गुलाबी बैलरीना मन में सोच रही थी।





स्कूल में सब कलाकार डांस रिहर्सल के लिए तैयार बैठे थे।

चक्कर लगाओ, कूदो, उछलो! नीली बैलरीना नाची।

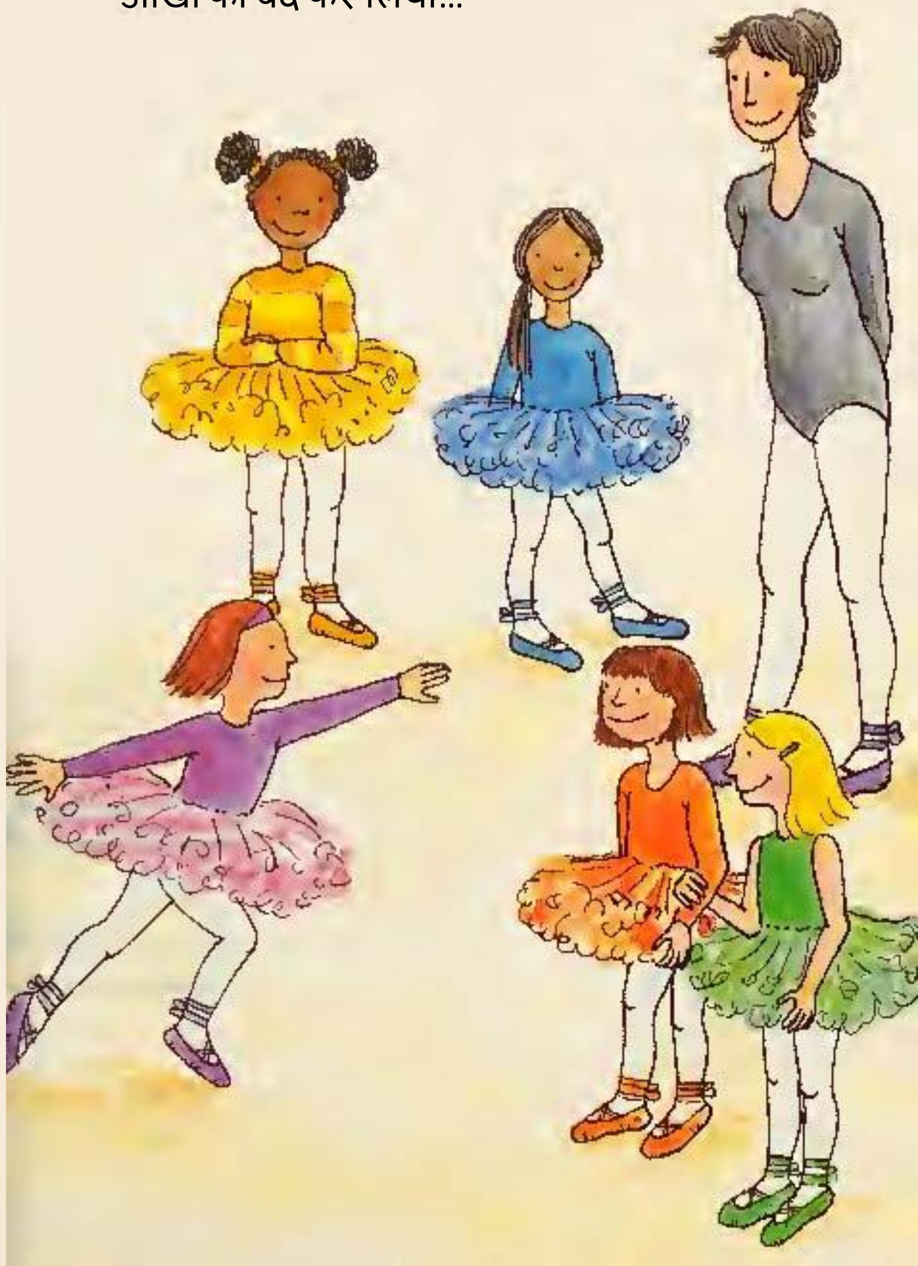
चक्कर लो ,चक्कर लो , उछलो ! पीली बैलरीना नाची।

चक्कर लो , चक्कर लो , उछलो। हल्की बैंगनी बैलरीना नाची।

अब गुलाबी बैलरीना की बारी आई...



मैडम पलाई और बाक़ी बाल नृत्यांगनाओं ने अपनी साँसें रोक ली। गुलाबी बैलरीना ने अपनी आँखों को बंद कर लिया...



और वह उस चाँदी जैसे चमकने वाले पंख के बारे में सोचती गई जो उसने सुबह पार्क में देखा था। उसने अपने हाथों को उठाया, अपने पैरों की उँगलियों को नीचे झुकाया और चक्कर लगाया, घूमा और फिर एक इतनी ऊँची और शानदार छलाँग लगाई जो मैडम पलाई ने अभी तक देखा ही नहीं थी।

"अति सुंदर," मैडम पलाई बोली।

"हमें हमारी स्टार परियों की राजकुमारी मिल गई है "



बाक़ी सब बच्चों को मानना पड़ा कि हालाँकि उन्होंने भी बहुत अच्छी तरह से घूमा और चक्कर लगाया और ऊपर उछाला था - परन्तु गुलाबी बैलरीना का प्रदर्शन सबसे अच्छा था। वहीं स्टार परी राजकुमारी बनने के योग्य थी।

